धरती का श्रृंगार - जैन हिल्स

जैन इरिगेशन सिस्टम्स लि. : कृषि और उत्कृष्ट तकनीकी का मेल

कृषक जगत के इजराइल प्रतिनिधि मंडल के सदस्यगण पहुंचे जलगांव

पैसा काफी लोगों के पास होता है, लेकिन उसका सदुपयोग करना बहुत कम लोग जानते हैं। जैन इरिगेशन लि. और श्री भंवरलाल जैन ने जो कमाया, उसे धरती, धरती-पुत्रों और समाज के कल्याण में लगाया है।

धरती, धात्री है मां की तरह। जो सर्वस्व देती, अर्पण करती है। अनुपजाऊपन या बंजरपन मां धरती का सबसे बड़ा दर्द है। इस दर्द को जो समझे वही धरापुत्र है। श्री भंवरलाल जैन जब भी जलगांव से बाहर निकलते, लगता जैसे दर्द बयां करती धरती उन्हें पुकार रही हो। उन्होंने उस धात्री को श्रृंगारित कर, उपजाऊ बनाकर कृषि-तीर्थ का रूप दिया- जिसे हम 'जैन हिल्स' के रूप में जानते हैं। जैन इरिगेशन सिस्टम्स लि. के संस्थापक अध्यक्ष श्री भंवरलाल हीरालाल जैन जब जलगांव बाहर निकलते तो लगता शहर से लगी जमीन और पहाड़ियां कुछ कहना चाहती हैं। ऊबड़-खाबड़, निर्जल-निर्जन भूमि का जो रूप आज निखरा है, उसके पीछे है श्री जैन की कड़ी तपस्या। श्री भंवरलाल जैन कहते हैं- यहां एग्रीकल्चर डेमोस्ट्रेशन फार्म के सोच ने जन्म लिया। पच्चीस बरस पहले जब जैन हिल्स की आधारशिला रखी, पीने को जल उपलब्ध नहीं था। 10 किलोमीटर दूर स्थित गिरना नदी से पाइप लाइन डालकर पानी लाए। पाइप्स के क्षेत्र में हम पूर्व से ही काम कर रहे थे। जैन हिल्स को सुसज्जित करने का सोच था, ऐसी कोई अपेक्षा नहीं कि यहां से क्या मिलेगा। श्री जैन बेहिचक बताते हैं, जेब में पैसा भी नहीं था। पूंजी जुटाकर 5500 रुपए प्रति एकड़ की दर से पहले 8 एकड़ जमीन खरीदी, फिर 11 और फिर 110 एकड़। आज 1500 एकड़ रकबे में जैन हिल्स देश-दुनिया का अप्रतिम 'कृषि तीर्थ' है। यहां माइक्रो इरिगेशन सिस्टम, वाटर हार्वेस्टिंग, जैविक खाद, बायो गैस, सोलर एनर्जी, टिश्यू कल्चर, हाइड्रोपोनिक्स, एयरोपोनिक्स जैसे विविध अत्याधुनिक आयामों पर शोध एवं प्रशिक्षण का काम किया जाता है। जैन इरिगेशन लि. ड्रिप, स्प्रिंकलर, पाइप्स के निर्माण में रत है। प्याज, लहसुन, आम, अमरूद, केला आदि के प्रसंस्करण प्लांट हैं। वर्तमान में 7000 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष टर्नओवर वाला जैन समूह देश ही नहीं, दुनिया के 15 देशों में उत्कृष्ट उत्पादों के लिए ख्यात है। टिश्यू कल्चर में विदेशों की भारी मांग है, लेकिन स्वदेशी किसानों की मांग पहले पूरी होती है। समूह के वैज्ञानिक नित नए शोध के साथ उत्पादन क्षमता बढ़ा रहे हैं। श्री जैन कहते हैं- प्लास्टिक मल्चिंग में भी जैन समूह बहुत जल्द कदम रखने जा रहा है। समूह नई तकनीकी वाली विश्वस्तरीय गुणवत्ता वाली मल्चिंग फिल्में न्यूनतम दाम पर सुलभ कराएगा। अहमदाबाद के संयंत्र में हमारी 6 मीटर चौड़ाई वाली फिल्म बनाने की योजना है। श्री भंवरलाल जैन के पुत्र श्री अशोक जैन, श्री अजीत जैन, श्री अनिल जैन एवं श्री अतुल जैन ने समूह को नई दिशा दी है तो तीसरी पीढ़ी अर्थात श्री जैन के पोते अब खाद्य प्रसंस्करण इंडस्ट्री पर काम करने को तत्पर हैं। उनके अनुसार फूड प्रोसेसिंग में मैकेनाइजेशन को अपनाया जा रहा है। समूह किसानों से ओनियन की कांट्रेक्ट फार्मिंग करवाता है। प्याज को खेत से निकालने से लेकर पत्तियों की ग्रेडिंग, कटिंग आदि सारे काम एक ही मशीन से किया जाता है।

जैन हिल्स का विकास

श्री जैन बताते हैं कि जीवन के प्रथम 28 वर्ष किराए के घर में बिताए और 'न्यूनतम लाभ, अधिकतम टर्नओवर' के मंत्र के साथ व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित किया। धीरे-धीरे किसानों का भरोसा जीता और जैन इरिगेशन लि. सफलता की सीढ़ियां चढ़ने लगा। प्रकृति से लगाव बढ़ता गया। वर्ष 1988 में रास्ते पर चटाई बिछाकर सुबह का व्यायाम करते हुए इस पहाड़ी पर ध्यान गया। टेकरी पर एक मंदिर बनवा दिया। मात्र 116 दिन में 200 लोगों के साथ 5500 स्क्वेयर फीट में मकान का निर्माण भी किया है। जलगांव में व्यस्तता भरा दिन बिताने के पश्चात जैन परिवार रात्रि विश्राम यहीं करता है।

मध्यप्रदेश में हैं संभावनाएं

श्री भंवरलाल जैन की इच्छा है, मध्यप्रदेश में भी जैन हिल्स की एक प्रतिकृति हो। मध्यप्रदेश में आम प्रसंस्करण के क्षेत्र में खासी संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश सरकार रुचि ले रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह के जैन हिल्स आने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू जैन हिल्स के प्रशंसक हैं। वे आंध्र में जैन हिल्स जैसा तीर्थ स्थापित करना चाहते हैं। इसके लिए 700 एकड़ जमीन देने का प्रस्ताव भी समूह को मिला है।

जैन हिल्स पहुंचे कृषक जगत के इजराइल प्रतिनिधिमंडल के सदस्यगण

कृषक जगत द्वारा अप्रैल-2015 में आयोजित इजराइल यात्रा पर गए दल के 40 सदस्यों ने समूह के प्रेसीडेंट श्री संजय भंडारी के सानिध्य में जैन हिल्स, जलगांव का भ्रमण किया। समूह के सदस्यों ने यहां 'विश्व-कृषि-तीर्थ' की साकारता को अनुभूत किया। इजराइल, तुर्की, हॉलैंड, चीन जैसे देशों में प्रयुक्त आधुनिक तकनीकी यहां उपलब्ध है। प्रकृति सुरम्य जैन हिल्स में विश्व की उच्चतम कृषि तकनीकी में अध्यात्म का पुट देकर निर्मित उत्पाद गुणवत्ता के साथ हर कसौटी पर खरे उतरे हैं। यहां नौकर मालिक का भेद नहीं है। अध्यक्ष से लेकर अंतिम स्तर तक के कर्मचारी की कार्य-निष्ठा ही समूह का वैशिष्ट्य है। जैन समूह का एकमेव उद्देश्य है- आंखों से देखें और जीवन में उतारें। यहां आने वाला हर व्यक्ति देखकर सीखे। प्रतिवर्ष लाखों किसान यहां नित-नई तकनीकी का साक्षात्कार करते हैं। समूह के तकनीकी वैज्ञानिक डॉ. मुरली अय्यर ने समूह के सदस्यों को अल्ट्रा हाईडेंसिटी प्लांटेशन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

व्हाट्सएप खबर

अदरक की तैयारी

जायकेदार मसाला फसलों में अभिन्न अदरक फसल श्री प्रताप सिंह लोधी ग्राम आवरिया पोस्ट- विलेरा तहसील- तेंदूखेड़ा, जिला- नरसिंहपुर म.प्र. ने आधा एकड़ क्षेत्र में 5 क्विंटल बीज बोकर तैयार की है। जून में बुआई एवं जनवरी में इसका उत्पादन 50 क्विंटल तक होने की संभावना है। अदरक वर्तमान में 100 रु. प्रति किलो बाजार में विक्रय हो रहा है। इसके उत्पादन में लगभग 45 हजार रु. का व्यय हुआ। चार बार निंदाई, कीटनाशक, उर्वरक के साथ छायादार स्थान भी इसका उत्पादन बढ़ाता है। **श्री प्रताप सिंह लोधी के मो.: 9755362419** पर अन्य जानकारी ले सकते हैं

व्हाट्सएप / ईमेल करें

आप हमें अपने खेत के क्षेत्र के, बगीचे के, बाड़ी के फोटो, अन्य जानकारी, जिसे आप कृषक जगत के दूसरे पाठकों से साझा करना चाहें, रोचक हो, ज्ञानपरक हो, नवीन हो तो हमें व्हाट्सएप करें, ईमेल करें, पत्र लिखें। हमें आपके संदेशों का इंतजार रहेगा। **मो.-9826034864, 9826021837, 9826255861, 9826255864, 9893939164, ईमेल :** info@krishakjagat.org

नव भारत इण्डस्ट्रीज के बढ़ते कदम : श्री गर्ग

भोपाल। उत्तर प्रदेश के किसानों में अपनी गुणवत्ता और उचित मूल्य के कारण लोकप्रिय कम्पनी नव भारत इण्डस्ट्रीज अब म.प्र. में भी अपने कृषि उत्पादों के साथ किसानों को गुणवत्तायुक्त मशीनरी उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। यह कहना है नव भारत इण्डस्ट्रीज के **युवा संचालक श्री अनिल गर्ग का**। प्रकाश ब्रांड नाम से हमारे कृषि यंत्र आते हैं जिसमें प्रमुख हैं- रोटावेटर, धान थ्रेशर, मक्का थ्रेशर, पोटेटो डिगर, चाफ कटर आदि मुख्य हैं। नवभारत इण्डस्ट्रीज प्रकाश ब्रांड से अपनी कृषि मशीनरी बनाती है।

प्रकाश रोटावेटर 5 से 8 फीट साइज तक में उपलब्ध है। जो हर एचपी के ट्रैक्टर के लिए रोटावेटर की पूरी रेंज है। प्रकाश रोटावेटर में ट्रैक्टर की घिसाई, डीजल व समय की बचत होती है। यह रोटावेटर हर तरह की जमीन के अनुकूल बनाया गया है जिसके कारण इसमें टूट-फूट की परेशानी नहीं होती है। प्रकाश रोटावेटर में इटली की स्पेशल बोरोन ब्लेड, एक्सपोर्ट क्वालिटी हैवी ड्यूटी गियर बॉक्स एवं हाई टेंसल स्टील के बने नट बोल्ड लगे हुए हैं।

यह रोटावेटर फसल की जड़ें व घास-फूस को जमीन में अच्छे से मिला देता है तथा खेतों में गहराई तक गुड़ाई करने में यह रोटावेटर सर्वोत्तम है।

नव भारत इण्डस्ट्रीज का धान थ्रेशर भी किसानों में लोकप्रिय है जो धान के अलावा चना, गेहूं, सोयाबीन, मूंग, उड़द आदि फसलों की गहाई में सर्वोत्तम है। इसी कड़ी में मक्का थ्रेशर भी है जो ट्रैक्टर पी.टी.ओ. द्वारा चलित थ्रेशर मक्के की गहाई बिना किसी परेशानी के करता है। इस थ्रेशर में बिना छिलका उतारे भी गहाई ही जाती है। डबल फेन मशीन से छिलका और गुठली एक साथ बाहर आते हैं तथा मशीन से ट्रॉली में दाना बिना हाथ लगाये एलीवेटर द्वारा पहुंचाया जा सकता है। इस थ्रेशर में 30 से 50 क्विंटल प्रति घंटे की कार्य क्षमता है। इस थ्रेशर में अच्छी क्वालिटी के पुर्जे उपयोग में लाये गये हैं जिसके कारण थ्रेशर में टूट-फूट नहीं होती है। किसान भाईयों को नव भारत इण्डस्ट्रीज की मशीनों के बारे में अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें - **मो. : 09897591803**